बाघों की कैनाईन डिस्टेंपर नामक बीमारी पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्ययोजना की माँग

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में करनेल, विश्वविद्यालय अमेरिका के डॉ. मार्टिन गिलबर्ट का व्याख्यान आयोजित किया गया, डॉ. गिलबर्ट ने केनाईन डिस्टेंपर से होने वाले प्रकोप और बाघों पर इसके संक्रमण पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे अनुसंधान कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि इस बीमारी से वन्यप्राणियों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है क्योंकि बाध जो कि जंगल की रक्षा में महत्वपूर्ण आयाम हैं की दिनोंदिन हो रही कमी में कहीं न कहीं इस बीमारी का योगदान है। उन्होंने कैनाईन डिस्टेंपर की बीमारी से शेर प्रजाति पर खतरे के संबंध में महत्वपर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। उनके साथ उनके सहयोगी डॉ. जेसिका बोडजेनर और महाराष्ट्र की वन्यप्राणी विशेषज्ञ डॉ. कजवीन उमरीगर भी उपस्थित थीं। डॉ. मार्टिन और उनकी टीम, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ के सौजन्य से शेरों में फैल रही इस बीमारी पर संयुक्त रूप से अनुसंधान करना चाहते हैं। इस संबंध में कुलपति डॉ. पी.डी. जुयाल तथा संचालक डॉ. बी.सी. सरखेल एवं पूर्व संचालक डॉ.ए.बी. श्रीवास्तव ने एक कार्य योजना निर्धारित करने की पहल की, क्योंकि इस बीमारी के प्रसार को भारतीय उपमहाद्वीप में नियंत्रित करने के लिए न सिर्फ कार्ययोजना विकसित करनी चाहिए बल्कि उसका क्रियान्वयन करने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। इस बिमारी के प्रकोप और नियंत्रण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सभागार में प्रस्तुत की गयी। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.डी. जुयाल, संचालक अनुसंधान सेवाएँ डॉ. वाय.पी.साहनी.संचालक डॉ. बी.सी.सरखेल, पूर्व संचालक डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर तथा शोधकर्ता स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। सभा का आयोजन डॉ. के. पी. सिंह एवँ संचालन डॉ. निधि राजपूत ने किया ।